चलो रे मन वृंदावन चलिए | By Raghvender Sarkar |

चलो रे मन वृंदावन चलिए
करेंगे दर्शन नित ठाकुर के
कुंज गलिन में रहिए
चलो रे मन वृंदावन चलिए

राधा नाम को गाए गाए के
रसना सफल बनाए जा
लग प्रेम दगर की प्रीतम से
अपना भाग्य जगाए जा
रसिकन की संगत कर प्यारे
बाँके के बाँके बनिए
चलो रे मन वृंदावन चलिए

प्रेम हृदय आधार सबन का
श्री हरिदास ने गाया था
प्रकट भए पावन निधिवन में
भक्त का मान बढ़ाया था
जगत रचैया खुद नाचे जहाँ
वहीं सखियन संग नाचिए
चलो रे मन वृंदावन चलिए

यमुना जल को पान करति ही
प्यास मिटे इस जीवन की
कंबली बनकर लोट लगाऊँ
सुध न रहे तन मन की
होकर मस्त रमन रेति में
खूब ही लोट लगाइए
चलो रे मन वृंदावन चलिए

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%a8-%e0%a4%b5%e0%a5%83%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%a8-%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%8f-by-raghvender-sarkar/